DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

30 September, 2024

चोल साम्राज्य

संदर्भ: *हाल की चर्चाओं में भारतीय सेना में चोल साम्राज्य की रणनीतियों को शामिल करने और औपनिवेशिक प्रथाओं का आधुनिकीकरण करने को शामिल करने पर विमर्श चल रहा है।*

➢ **अवलोकन:**

- मध्य-कैरियर पाठ्यक्रम (Mid-career courses) सेना में ऐतिहासिक रणनीतियों, एकीकृत शासन, सांस्कृतिक एकीकरण और क्षेत्रीय विविधता पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- पाठ्यक्रम में आई.एन.ए., मराठों और सिखों जैसे भारतीय सेनापतियों के भूमि अभियान के अध्ययन के साथ-साथ राजा राज चोल प्रथम, राजेंद्र चोल, मार्तंड वर्मा और कुंजली मरक्कर चतुर्थ जैसे शासकों की प्राचीन समुद्री रणनीतियां शामिल हो सकती हैं।

➢ **मध्यकालीन चोल साम्राज्य के बारे में**

- **समय अवधि :** 8वीं से 12वीं शताब्दी ई.
- **महत्व :** चोल राजवंश को दक्षिण भारत में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले राजवंशों में से एक माना जाता है, जो व्यापक क्षेत्रीय विस्तार, सांस्कृतिक उत्कर्ष और स्थापत्य उपलब्धियों के लिए जाना जाता है।

➢ **ऐतिहासिक संदर्भ**

- **शक्ति में वृद्धि :** चोल 9वीं शताब्दी में पल्लवों को हराकर प्रमुखता से आए। उनका शासन 13वीं शताब्दी तक पाँच शताब्दियों तक चला।
- **प्रमुख शासक :**
  - ✓ **विजयालय चोल :** चोल राजवंश के संस्थापक, तंजौर राज्य पर नियंत्रण स्थापित किया।
  - ✓ **आदित्य प्रथम :** इसने साम्राज्य का काफी विस्तार किया, पांड्य राजाओं को हराया और क्षेत्र पर प्रभुत्व स्थापित किया।
  - ✓ **राजराज चोल :** राज्य को मजबूत किया तथा आगे विस्तार के लिए आधार तैयार किया।
  - ✓ **राजेंद्र चोल :** "गंगा के विजेता" के रूप में जाने जाने वाले, उन्होंने व्यापक सैन्य अभियानों और सांस्कृतिक संरक्षण के माध्यम से राजवंश के स्वर्ण युग को चिह्नित किया।

➢ **प्रशासन और शासन**

- चोल साम्राज्य एक केंद्रीकृत प्राधिकार के साथ एक स्थायी राजतंत्र के रूप में संरचित था।
- **प्रशासनिक प्रभाग :**
  - ✓ राज्य को मंडलम (प्रांत) में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक का शासन नियुक्त अधिकारियों द्वारा किया जाता था।
  - ✓ नाडू (जिलों) और फिर तहसीलों में विभाजित किया गया।
  - ✓ गाँव स्वशासी इकाइयों के रूप में कार्य करते थे, जिससे स्थानीय शासन को बढ़ावा मिलता था।

चोल कला, साहित्य और मंदिर निर्माण के संरक्षण के लिए जाने जाते थे, तथा शासन के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी जोर देते थे।

सेना

➢ **संघटन:**

- चोल सेना में पैदल सेना, घुड़सवार सेना और युद्ध हाथी शामिल थे।
- सैनिकों की भर्ती अक्सर स्थानीय आबादी से की जाती थी, जिनमें तमिल क्षेत्र के कुशल योद्धा भी शामिल होते थे।

➢ **सैन्य संगठन:**

- सेना "वेलईकरार" (पैदल सेना) और "कावल" (घुड़सवार सेना) नामक इकाइयों में सुव्यवस्थित थी।
- राजा के पास सर्वोच्च कमान होती थी तथा विभिन्न अभियानों का नेतृत्व करने के लिए सेनापति नियुक्त किये जाते थे।

➢ **रणनीति:**

- चोलों ने आश्चर्यजनक हमलों और समन्वित हमलों सहित प्रभावी सैन्य रणनीतियों का प्रयोग किया।
- उन्होंने युद्ध हाथियों का उपयोग दुश्मनों के विरुद्ध मनोवैज्ञानिक हथियार के रूप में किया।

➢ **भूमि युद्ध:**

- चोल सेना ने सुनियोजित सैन्य अभियानों की एक श्रृंखला के माध्यम से प्रतिद्वंद्वी राज्यों पर प्रभुत्व स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- प्रमुख लड़ाइयों में चेरों के विरुद्ध कंडालूर सलाई का नौसैनिक युद्ध शामिल था, जिसने स्थलीय और नौसैनिक युद्ध दोनों में उनकी श्रेष्ठता को प्रदर्शित किया।

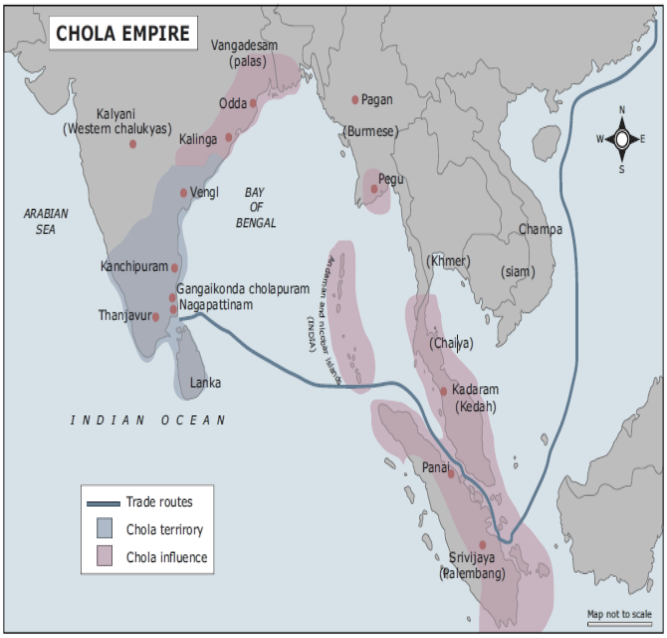

नौसेना

- चोल नौसेना अपने समय की सबसे शक्तिशाली समुद्री सेनाओं में से एक थी, जो व्यापार मार्गों के विस्तार और सैन्य विजय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थी।
- इसने दक्षिण-पूर्व एशिया, विशेषकर श्रीलंका और मालदीव में चोल प्रभुत्व स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

➢ **जहाज निर्माण :**

- चोलों ने उन्नत जहाज निर्माण तकनीक विकसित की तथा लम्बी यात्राओं में सक्षम बड़े जहाजों का निर्माण किया।
- जहाजों को व्यापार और युद्ध दोनों के लिए सुसज्जित किया गया, जिससे हिंद महासागर में शक्ति प्रक्षेपण की उनकी क्षमता बढ़ गई।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

30 September, 2024

➢ **समुद्री अभियान:**

- राजेंद्र चोल प्रथम के नौसैनिक अभियानों में दक्षिण-पूर्व एशियाई राज्यों, जैसे श्रीविजय (आधुनिक इंडोनेशिया) पर सफल छापा मर युद्ध शामिल थे।
- इन अभियानों से न केवल क्षेत्रीय प्रभाव का विस्तार हुआ, बल्कि दूरवर्ती देशों के साथ व्यापारिक संबंध भी सुगम हुए।

➢ **वास्तुकला संबंधी उपलब्धियां**

- **चोल वास्तुकला** : मंदिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भव्य मंदिरों का निर्माण किया गया जो वास्तुकला के प्रतीक बन गए।
- **उल्लेखनीय मंदिरों में शामिल हैं:**
  - ✓ **बृहदेश्वर मंदिर :** एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जो अपने आकार और जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है।
  - ✓ **गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर :** चोल स्थापत्य कला की उपलब्धियों का प्रदर्शन।

छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर

संदर्भ: *भारत द्वारा हाल ही में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों की दिशा में उठाए गए कदम से कैप्टिव स्थलों पर तैनाती के लिए निजी रुचि आकर्षित हुई है।*

➢ **अवलोकन:**

- भारत द्वारा हाल ही में लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों के लिए किए गए प्रयासों से वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच कैप्टिव विद्युत परियोजनाओं (स्व-उत्पादित बिजली) के लिए निजी रुचि आकर्षित हुई है।
- चूंकि रूस और चीन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, इसलिए वे भारत के साथ लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों पर परमाणु सहयोग चाहते हैं।

लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) या भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर) 300 मेगावाट तक की विद्युत उत्पादन क्षमता वाले परमाणु रिएक्टर हैं, जिन्हें पारंपरिक रिएक्टरों की तुलना में लचीलेपन, सुरक्षा और कम निर्माण समय के लिए डिजाइन किया गया है।

एसएमआर भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

➢ **एसएमआर की मुख्य विशेषताएं:**

- **छोटे रिएक्टर :** 300 मेगावाट (ई) तक, पारंपरिक रिएक्टरों की तुलना में छोटे होते हैं, जिससे लचीले प्लेसमेंट की सुविधा मिलती है।
- **मॉड्यूलर :** तेजी से निर्माण और लागत बचत के लिए कारखाने में इकट्ठे घटक चरणबद्ध उपयोग की अनुमति देता है।
- **रिएक्टर :** ऊर्जा उत्पादन के लिए परमाणु विखंडन का उपयोग करता है।

➢ **विशेषताएं**

- **निष्क्रिय सुरक्षा प्रणालियाँ :** मानवीय हस्तक्षेप के बिना सुरक्षित संचालन बनाए रखने के लिए प्राकृतिक प्रक्रियाओं (गुरुत्वाकर्षण, संवहन) का उपयोग करना, जिससे समग्र सुरक्षा में वृद्धि होती है।
- **सुरक्षा :** कम परिचालन दबाव और तापमान दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करते हैं।

➢ **शीतलक किस्में**

- **विविध शीतलक :** कई एसएमआर हल्के पानी का उपयोग करते हैं, अन्य तरल धातुओं या पिघले हुए लवणों का उपयोग कर सकते हैं, जिससे अनुप्रयोग आवश्यकताओं के आधार पर डिजाइन में लचीलापन आता है।

➢ **ईंधन दक्षता**

- **ईंधन अंतराल :** एसएमआर ईंधन भरे बिना 3 से 7 वर्षों तक काम कर सकते हैं, कुछ 30 वर्षों तक भी काम कर सकते हैं, जिससे परिचालन दक्षता में सुधार होता है।

➢ **बहुमुखी अनुप्रयोग**

- **विविध ऊर्जा:** एसएमआर उद्योगों के लिए प्रक्रिया ऊष्मा भी प्रदान कर सकते हैं और जल विलवणीकरण में सहायता कर सकते हैं, जिससे वे विविध ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त बन जाते हैं।

➢ **एसएमआर के लाभ**

- **तैनाती में लचीलापन :** एसएमआर को बुनियादी ढांचे की कमी वाले क्षेत्रों में स्थापित किया जा सकता है और वे ऑफ-ग्रिड संचालित हो सकते हैं।
- **सरल डिजाइन :** कई एसएमआर डिजाइन निष्क्रिय सुरक्षा सुविधाओं पर जोर देते हैं, जो आपात स्थितियों में मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता को कम करते हैं।
- **कम ईंधन की आवश्यकता :** कुछ एसएमआर ईंधन भरे बिना 3 से 7 वर्षों तक काम कर सकते हैं, और कुछ डिज़ाइन ईंधन भरे बिना 30 वर्षों तक चल सकते हैं।
- **लागत प्रभावी :** छोटे पैमाने पर कार्य करने से प्रारंभिक पूंजीगत लागत और वित्तीय जोखिम कम हो जाते हैं, जिससे वित्तपोषण और कार्यान्वयन आसान हो जाता है।

➢ **एसएमआर की वैश्विक स्थिति**

- रूस , अर्जेंटीना , कनाडा , चीन , दक्षिण कोरिया और अमेरिका जैसे देश सक्रिय रूप से एसएमआर विकसित कर रहे हैं, तथा 80 से अधिक वाणिज्यिक डिजाइनों पर काम चल रहा है।
- रूस के अकादमिक लोमोनोसोव, एक तैरता हुआ परमाणु ऊर्जा संयंत्र, इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

➢ **सतत विकास में भूमिका**

- एसएमआर एक विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत प्रदान करते हैं जो नवीकरणीय ऊर्जा का पूरक है, तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा की पहुंच में सुधार करता है।
- उनकी तैनाती वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में महत्वपूर्ण रूप से सहायता कर सकती है तथा सार्वभौमिक ऊर्जा पहुंच के लिए एसडीजी 7 का समर्थन कर सकती है।

➢ **आईएईए की भागीदारी**

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) विभिन्न मंचों, सुरक्षा आकलनों और समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से एसएमआर विकास का समर्थन करती है तथा विश्व भर में टिकाऊ परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देती है।

भारत सरकार ने लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं, जिनमें शामिल हैं:

- **निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी:** सरकार भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर) स्थापित करने तथा एसएमआर पर अनुसंधान एवं विकास करने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी करने की योजना बना रही है।
- **दबावयुक्त भारी जल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) का पुन:** डिजाइन: परमाणु ऊर्जा विभाग और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित करने के लिए पीएचडब्ल्यूआर का पुनः डिजाइन कर रहे हैं।
- **एसएमआर की तैनाती:** भारत की योजना 40-50 एसएमआर की तैनाती की है, जिनमें से अधिकांश कैप्टिव थर्मल पावर प्लांटों के स्थान पर होंगी।
- **परमाणु ऊर्जा को अधिक सुलभ बनाना:** सरकार का लक्ष्य एसएमआर के उपयोग के माध्यम से परमाणु ऊर्जा को अधिक सुलभ और बहुमुखी बनाना है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **जीवाश्म ईंधन से दूर जाना:** एसएमआर भारत को बड़ी मात्रा में कम कार्बन बिजली का उत्पादन करके जीवाश्म ईंधन की खपत से दूर जाने में मदद कर सकते हैं।

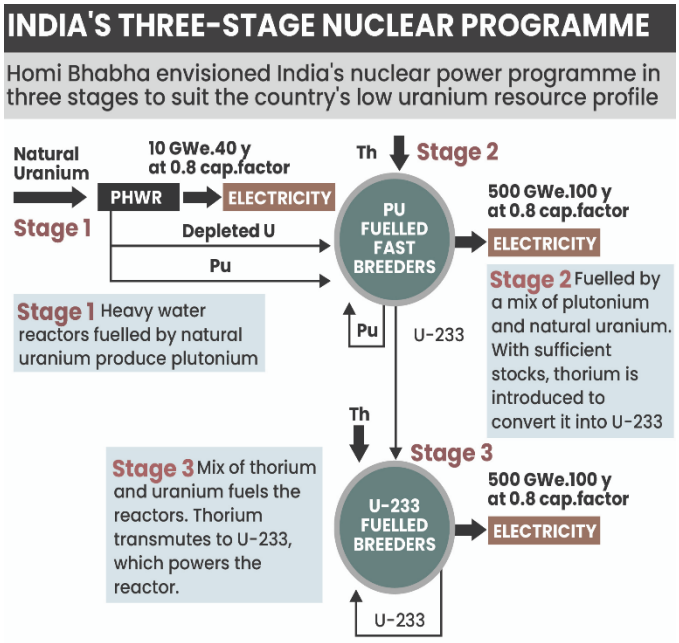

प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाएं (iPSCs)

संदर्भ: *हाल ही में, रासायनिक रूप से प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके पहला सफल उपचार किया गया।*

➤ **अवलोकन:**

- हाल ही में, टाइप 1 मधुमेह से पीड़ित एक महिला ने अपने स्वयं के पुनर्क्रमित प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं के प्रत्यारोपण के बाद इंसुलिन का उत्पादन शुरू कर दिया, वह अपने शरीर से निकाली गई कोशिकाओं से इलाज करने वाली पहली व्यक्ति थी।

प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल (iPSCs) वयस्क कोशिकाएँ हैं जिन्हें आनुवंशिक रूप से भ्रूण स्टेम सेल जैसी अवस्था में पुनः प्रोग्राम किया गया है। यह भ्रूण स्टेम कोशिकाओं के गुणों को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण विशिष्ट जीन और कारकों को व्यक्त करने के लिए हासिल किया जाता है।

➤ **अनुप्रयोग:**

- **औषधि विकास :** iPSCs नई औषधियों के परीक्षण के लिए मूल्यवान उपकरण के रूप में कार्य करते हैं।
- **रोग मॉडलिंग :** वे वैज्ञानिकों को रोग तंत्र को समझने में मदद करते हैं।
- **प्रत्यारोपण चिकित्सा :** शोधकर्ताओं को पुनर्योजी (regenerative) चिकित्सा के लिए iPSCs का उपयोग करने की आशा है।

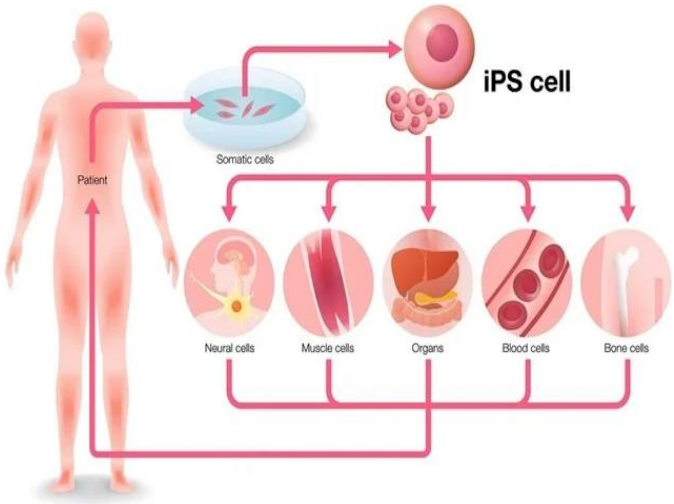

➤ **स्टेम कोशिकाएं**

- स्टेम सेल अद्वितीय कोशिकाएं हैं जो शरीर में विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं में विकसित होने में सक्षम हैं। वे विकास और मरम्मत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

➤ **मुख्य विशेषताएं :**

- **स्व-नवीकरण :** वे अन्य कोशिकाओं की पूर्ति के लिए अनिश्चित काल तक विभाजित हो सकते हैं।
- **विभेदन क्षमता :** उन्हें विशिष्ट कोशिकाओं, जैसे मांसपेशी या मस्तिष्क कोशिकाओं, में बदलने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

➤ **ऊतकों में भूमिका :**

- कुछ अंगों (जैसे, आंत, अस्थि मज्जा) में, स्टेम कोशिकाएं क्षतिग्रस्त ऊतकों की मरम्मत और प्रतिस्थापन के लिए नियमित रूप से विभाजित होती हैं।
- अन्य में (जैसे, अग्न्याशय, हृदय) वे केवल विशिष्ट परिस्थितियों में ही विभाजित होते हैं।

पहलू	भ्रूण स्टेम कोशिकाएं	वयस्क स्टेम कोशिकाएं
बहु-शक्ति क्षमता(Pluripotency)	बहुशक्तिशाली; शरीर में किसी भी प्रकार की कोशिका बन सकता है।	अधिक सीमित; आमतौर पर अपने मूल ऊतक के लिए विशिष्ट कोशिका प्रकारों में विभेदित होते हैं।
खेती (Cultivation)	विशिष्ट संस्कृति में विकसित करना आसान है; इष्टतम परिस्थितियों में अनिश्चित काल तक फैल सकता है।	परिपक्व ऊतकों में दुर्लभ; सीमित उपलब्धता के कारण पृथक्करण और विस्तार चुनौतीपूर्ण है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व खाद्य कार्यक्रम

हाल ही में, विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) ने लेबनान में इज़राइल और हिज़्बुल्लाह के बीच हाल ही में हुए तनाव से प्रभावित दस लाख लोगों को खाद्य सहायता प्रदान करने के लिए एक आपातकालीन अभियान शुरू किया है।

विश्व खाद्य कार्यक्रम के बारे में:

- विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जो दुनिया भर में भूख से लड़ने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करती है।
- विश्व खाद्य कार्यक्रम 1963 से भारत में संचालित हो रहा है, जिसका मिशन सभी के लिए पर्याप्त पौष्टिक भोजन की पहुँच सुनिश्चित करना है।
- यह आपात स्थितियों में खाद्य सहायता प्रदान करता है, पोषण में सुधार के लिए समुदायों के साथ काम करता है, और लचीलापन बनाने में मदद करता है।
- यह तकनीकी और विकास सहायता, नकद सहायता और चिकित्सा आपूर्ति भी प्रदान करता है।
- इसे संघर्ष क्षेत्रों में खाद्य सहायता प्रदान करने और युद्ध के हथियार के रूप में भोजन के उपयोग को रोकने के लिए 2020 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- यह खाद्य संकटों पर वैश्विक रिपोर्ट तैयार करता है, जो दुनिया में तीव्र भूख के पैमाने और खाद्य संकटों में योगदान करने वाले कारकों का विश्लेषण करता है।
- इसका मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।

क्रू-9 मिशन

हाल ही में, नासा और स्पेसएक्स ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए क्रू-9 मिशन लॉन्च किया है।

क्रू-9 मिशन के बारे में:

- क्रू-9 मिशन एक संयुक्त नासा-स्पेसएक्स स्पेसफ्लाइट मिशन है।
- इस मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष यात्रियों को पाँच महीने के विज्ञान मिशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर लाना और 2025 में भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और नासा के अंतरिक्ष यात्री बैरी विल्मोर को वापस लाना है।
- मिशन को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च किया गया था। यह स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स-40 से पहला मानव अंतरिक्ष यान होने के कारण महत्वपूर्ण है।
- मिशन में निक हेग (NASA) और अलेक्जेंडर गोरबुनोव (रोस्कोस्मोस) शामिल हैं, जिसमें सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर के लिए फरवरी 2025 में उनकी वापसी के लिए दो खाली सीटें हैं।
- चालक दल ने स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर यात्रा की, जो सफलतापूर्वक कक्षा में पहुँच गया और ISS के लिए अपने रास्ते पर है।
- विलियम्स और विल्मोर की वापसी की योजना शुरू में बोइंग के स्टारलाइनर शटल पर बनाई गई थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण, उनकी वापसी 2025 तक के लिए टाल दी गई।

पराग

हाल ही में, एक अध्ययन ने सुझाव दिया कि विशाल ऊनी मैमथ पराग एलर्जी के कारण विलुप्त हो गए होंगे।

पराग के बारे में:

- पराग एक महत्वपूर्ण प्रजनन पदार्थ है जिसका उपयोग कई पौधे प्रजनन के लिए करते हैं, जो बीज उत्पादक पौधों के कलंक में नर युग्मक पहुंचाता है।
- इसे एक युग्मकोद्भिद माना जाता है, जो निषेचन प्रक्रिया में शामिल एक बहुकोशिकीय जीव है।
- प्रत्येक पराग कण में प्रजनन कोशिकाएँ (जो शुक्राणु बनाती हैं) और गैर-प्रजनन कोशिकाएँ (जो पराग नली का निर्माण करती हैं) होती हैं।
- पराग कण एकत्रित होने पर पाउडर के रूप में दिखाई देते हैं और स्पोरोपोलेनिन नामक एक प्राकृतिक बहुलक द्वारा संरक्षित होते हैं, जो उन्हें परिवहन और पर्यावरणीय परिस्थितियों के दौरान ढाल देता है।
- एनेमोफिलस पौधों (जैसे, बर्च, हिकॉरी) से पराग एलर्जी प्रतिक्रियाओं का कारण बन सकता है, घास के पराग से हे फीवर हो सकता है।
- पराग के अध्ययन को पैलिनोलॉजी के नाम से जाना जाता है।

समाचार में स्थान श्रीलंका

हाल ही में, भारतीय सांस्कृतिक संघ ने स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से कोलंबो, श्रीलंका में ओणम समारोह जारी रखा।

श्रीलंका:

- भौगोलिक स्थिति: श्रीलंका हिंद महासागर में, भारत के दक्षिण में स्थित एक द्वीप देश है, जो पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी से अलग है।
- राजधानी: आधिकारिक राजधानी श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे है, जबकि कोलंबो वाणिज्यिक राजधानी और सबसे बड़ा शहर है।
- सीमाएँ: यह बंगाल की खाड़ी (उत्तर-पूर्व), लक्षद्वीप सागर (पश्चिम) और हिंद महासागर (दक्षिण) से घिरा हुआ है और मालदीव (दक्षिण-पश्चिम) और भारत (उत्तर-पश्चिम) के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- श्रीलंका का सबसे ऊँचा स्थान पिदुरुतालागला है, जिसे माउंट पेड्रो के नाम से भी जाना जाता है।
- श्रीलंका की प्रमुख नदियों में महावेली नदी (सबसे लंबी नदी), केलानी नदी, कालू नदी और वालावे नदी शामिल हैं।
- एडम्स ब्रिज (राम का पुल) पाक जलडमरूमध्य को भारत से जोड़ता है।
- इस द्वीप में उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु पाई जाती है।

	▪ भारत के निकट स्थित मन्नार द्वीप और कच्चातीवु द्वीप श्रीलंका के महत्वपूर्ण द्वीप हैं। ▪ श्रीलंका ग्रेफाइट, इल्मेनाइट, जिरकोन, रूटाइल, क्वार्ट्ज, अभ्रक जैसे खनिजों और नीलम तथा माणिक जैसे कीमती रत्नों से समृद्ध है। ▪ सदस्यता: श्रीलंका कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन), राष्ट्रमंडल राष्ट्र, दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क), गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ), एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- विश्व हृदय दिवस कब मनाया जाता है? – **29 सितम्बर**
- भारत और उज्बेकिस्तान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का नाम क्या है? – **डस्टलिक**
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन कब लॉन्च किया गया था? – **2021**
- 79वें UNGA सत्र के अध्यक्ष कौन थे? – **श्री फिलेमोन यांग**
- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं केंद्रीय समिति ने अपना तीसरा पूर्ण सत्र कहाँ आयोजित किया? – **बीजिंग**